

भारत सरकार
GOVERNMENT OF INDIA

दिल्ली राजपत्र
Delhi Gazette



एस.जी.-डी.एल.-अ.-24092021-229918
SG-DL-E-24092021-229918

असाधारण
EXTRAORDINARY
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 270] दिल्ली, बृहस्पतिवार, सितम्बर 23, 2021/आश्विन 1, 1943 [रा.रा.क्षे.दि. सं. 180
No. 270] DELHI, THURSDAY, SEPTEMBER 23, 2021/ASVINA 1, 1943 [N. C. T. D. No. 180

भाग IV
PART IV

राष्ट्रीय राजधानी राज्य क्षेत्र दिल्ली सरकार
GOVERNMENT OF THE NATIONAL CAPITAL TERRITORY OF DELHI

पर्यावरण, वन एवं वन्य जीव विभाग
अधिसूचना

दिल्ली, 22 सितम्बर, 2021

फा.सं. 34/डब्ल्यू. एफ. डी./सी. ओ. टी/18-19/4857-65.—दिल्ली वृक्ष संरक्षण अधिनियम, 1994 की धारा 29 (1994 का दिल्ली अधिनियम 11) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार, जनहित में ग्रामीण स्वास्थ्य प्रशिक्षण केंद्र, नजफगढ़, दिल्ली में 100 बिस्तरों वाले अस्पताल दिल्ली के निर्माण हेतु नीचे दिए गए विवरण के अनुसार लगभग 2.4014 हेक्टेयर क्षेत्रफल से उक्त अधिनियम की धारा 9 की उपधारा (3) के उपबंधों से छूट प्रदान करती है।

स्थान	वृक्षों की संख्या		उपभोगी संस्था द्वारा अपेक्षित प्रतिपूरक वृक्षारोपण (वृक्षों की संख्या)
	प्रत्यारोपण हेतु	योग	
(1)	(2)	(3)	(4)
ग्रामीण स्वास्थ्य प्रशिक्षण केंद्र, नजफगढ़, दिल्ली में 100 बिस्तरों वाले अस्पताल का निर्माण।	57	57	570
Total	57	57	570

यह छूट निम्नलिखित शर्तों के अधीन है :-

1. स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, ग्रामीण स्वास्थ्य प्रशिक्षण केंद्र, भारत सरकार, नजफगढ़, दिल्ली जो कि उपभोगी संस्था के रूप में संदर्भित है, को सात वर्ष की अवधि के लिए पौधों के संपूर्ण विकास एवं रखरखाव हेतु निम्नानुसार 32,49,000/- रुपये (बत्तीस लाख उनचास हजार मात्र) की राशि अग्रिम रूप में जमा करवानी होगी।

क्र.सं.	प्रतिपूरक वनीकरण वृक्षारोपण का स्थान	लगाए जाने वाले पौधों की संख्या	अन्य प्रासासनिक व्ययों तथा आकस्मिक सहित कुल राशि	वन प्रभाग में जमा कराई जाए
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
(क)	उपभोगी संस्था द्वारा 100% प्रतिपूरक वृक्षारोपण (57 वृक्षों को प्रत्यारोपण/ काटे जाने वाले वृक्षों का दस गुना) अर्थात् 570 पौधों का प्रस्तावित प्रजातियाँ नीम, अमलतास, पीपल, पिलखन, गूलर, बरगद, शीशम, अर्जुन एवं अन्य देशी प्रजातियाँ का उसी परियोजना स्थल के अन्दर किया जाएगा।	570	32,49,000/-	उप- वन संरक्षक (पश्चिम)/वन अधिकारी
(ख)	उपभोगी संस्था द्वारा 57 वृक्षों का प्रत्यारोपण जो साइट पर खड़े हैं, उसी परियोजना स्थल के अन्दर उपयुक्त खाली क्षेत्र में स्वयं की लागत पर किया जाएगा।			

2. उपरोक्त 1 (क) व (ख) के अनुसार, देशी प्रजातियों के 570 पौधों का 100 % प्रतिपूरक वृक्षारोपण और उनका सात वर्षों तक रखरखाव उपभोगी संस्था द्वारा किया जायेगा। इस वृक्षारोपण के सफलतापूर्वक स्थापना के बाद उपभोगी संस्था द्वारा निगरानी की जाएगी।
3. 57 वृक्षों को प्रत्यारोपण किए जाने के बदले में 1:10 के अनुपात में स्वदेशी प्रजातियों के 6-8 फीट की ऊँचाई वाले 570 पौधों का प्रतिपूरक वृक्षारोपण गैर-वन भूमि पर किया जाएगा। वृक्षारोपण की अनुमति के जारी होने के छः महीने के अंदर निर्धारित की गई भूमि पर अतिरिक्त उपायों के साथ वृक्षारोपण स्थल के अनुसार विशिष्ट वृक्षारोपण तकनीकों के द्वारा किया जाएगा और उनका सात वर्षों तक रखरखाव उपभोगी संस्था द्वारा अपने स्वयं के धन से किया जाएगा।
4. जो भूमि प्रतिपूरक वृक्षारोपण के लिया आवंटित है, उसका उपयोग किसी अन्य कार्यों के लिए राज्य सरकार की स्वीकृति के बिना नहीं किया जाएगा।
5. उपभोगी संस्था द्वारा विस्तृत वृक्षारोपण अनुसूची को दिल्ली वृक्ष संरक्षण अधिनियम, 1994 की धारा 12 के अनुपालन में वृक्ष अधिकारी (पश्चिम) को प्रस्तुत किया जाएगा।
6. उपभोगी संस्था द्वारा वृक्षारोपण पत्रिका को वन और वन्यजीव विभाग राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार को निर्धारित करेंगी और इसकी एक प्रति प्रत्येक वित्तीय वर्ष के अंत में प्रस्तुत की जाएगी।
7. उपभोगी संस्था द्वारा प्रतिपूरक वृक्षारोपण/ प्रत्यारोपण स्थल में मृदा नमी संरक्षण कार्य की गतिविधियों को किया जाएगा।
8. अनुमति जारी होने के तुरंत बाद वृक्षों का प्रत्यारोपण शुरू किया जाएगा और इसे तीन महीने के अंतराल में पूर्ण किया जाएगा। प्रत्यारोपण प्रक्रिया के पूर्ण होने का बाद एक सम्पूर्ण रिपोर्ट संबंधित वृक्ष अधिकारी को प्रस्तुत की जायेगी। प्रत्यारोपण स्थल में प्रत्यारोपित वृक्षों की दूरी 4 मीटर (बिंदु से बिंदु) से कम नहीं होनी चाहिए।
9. उपभोगी संस्था के द्वारा वृक्ष प्रत्यारोपण नीति 2020 में उल्लिखित सभी शर्तों का पालन किया जाएगा।
10. वृक्षों के प्रत्यारोपण की अनुमति उनके स्वयं के जोखिम पर और किसी भी अन्य व्यक्ति के दावे के पक्षपात के बिना, जो वृक्षों और भूमि पर सही हो सकती है, दी जा रही है।
11. उपभोगी संस्था के द्वारा यह सुनिश्चित किया जायेगा कि वृक्षों के प्रत्यारोपण से पूर्व कोई लंबित मुकदमेबाजी या स्थगन आदेश किसी भी न्यायालय / अन्य प्राधिकरण द्वारा पारित न हुआ हो।
12. उपभोगी संस्था द्वारा वृक्षों को प्रत्यारोपण का कार्य सभी वैधानिक मंजूरीयों को लेने के बाद ही शुरू किया जाएगा।
13. उपभोगी संस्था द्वारा वृक्षों की प्रत्यारोपण की प्रगति रिपोर्ट संबंधित निरीक्षण अधिकारी के माध्यम से वृक्ष अधिकारी को प्रस्तुत की जाएगी।
14. उपभोगी संस्था द्वारा वृक्षों की प्रत्यारोपण और उसमें पैदा होने वाली वन उपज को सार्वजनिक श्मशान में 90 दिनों के अंदर पूरा किया जाएगा।

15. उपभोगी संस्था द्वारा 57 वृक्षों के अलावा किसी भी वृक्ष का प्रत्यारोपण/ कटाई दिल्ली वृक्ष संरक्षण अधिनियम, 1994 के अंतर्गत एक अपराध होगा।
16. उपभोगी संस्था के द्वारा पर्यावरण मंजूरी में उल्लिखित सभी शर्तों का पालन किया जाएगा।

यह माननीय पर्यावरण एवं वन मंत्री राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार के पूर्व अनुमोदन से जारी किया जाता है।

संजीव खिरवार, प्रधान सचिव (पर्यावरण एवं वन)

DEPARTMENT OF ENVIRONMENT, FORESTS AND WILDLIFE

NOTIFICATION

Delhi, the 22nd September, 2021

F. No. 34/WFD/COT/18-19/4857-65.—In exercise of the powers conferred by section 29 of the Delhi Preservation of Trees Act, 1994 (Delhi Act 11 of 1994), the Government of National Capital Territory of Delhi, hereby, in public interest exempts an area of 2.4014 ha. (approx.) as detailed below for construction of 100 bedded Hospital at Rural Health Training Centre, Najafgarh, Delhi, from the provision of sub-section (3) of section 9 of the said Act.

Location	Number of trees (recommended for)		Compensatory Plantation by User Agency (Number of tree saplings)
	Transplantation	Total	
(1)	(2)	(3)	(4)
Construction of 100 bedded Hospital at Rural Health Training Centre, Najafgarh, Delhi,	57	57	570
Total	57	57	570

The said exemption is subject to fulfillment of the following conditions:-

1. Ministry of Health & Family Welfare, Rural Health Training Center, Govt. of India, Najafgarh, Del herein referred to as User Agency, shall make an advance deposit of an amount of Rs. **32,49,000/-** (Rs. Thirty Two Lakh Forty Nine Thousand only) towards security deposit for creation and maintenance of compensatory plantation for a period of Seven years as follows,

Sl. No.	Location of Compensatory plantation.	Number of saplings to be planted	Total Amount including other Administrative expenses and contingency charges (in Rs.).	To be Deposited with Forest Division.
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
(a)	100% Compensatory Plantation ten times the number of trees permitted for felling/ transplantation of 57 no. of trees i.e number of tree saplings proposed to be planted of species Neem, Amaltas, Peepal, Pilkhan, Gular, Bargad, Sheesham, Arjun along with other native species shall be carried out by User Agency within the same project site..	570	32,49,000 /-	Deputy Conservator of Forests (West)/ Tree Officer
(b)	Transplantation of 57 no. of trees which are standing on site shall be done by User Agency at suitable vacant land within the same project site with their own funds.			

2. 100% Compensatory Plantation of 570 saplings of native species shall be raised and maintained by User Agency for Seven years and monitored till its successful establishment as indicated at 1 (a) & (b) above.

3. 570 tree saplings of indigenous species 6-8 feet height shall be planted as compensatory plantation in ratio of 1:10 on non-forest land in lieu of transplantation of 57 no. of trees. The plantation shall be done by following site specific plantation techniques with additional measures on identified land within six months of issue of tree removal permission and maintenance for next Seven (7) years shall be carried out there after by User Agency with their own funds.
4. The land over which compensatory plantation raised shall not be utilized for any other purpose without the approval of the State Government.
5. Detailed plantation schedule shall have to be submitted by User Agency in compliance with Section 12 of Delhi Preservation of Trees Act, 1994 before initiating felling/ transplantation.
6. User Agency shall maintain plantation journal as prescribed by Department of Forests and Wildlife, Govt. of NCT of Delhi and submit a copy of same at end of each financial year.
7. The User Agency shall implement the improved soil moisture conservation activities on compensatory plantation / transplantation site.
8. Transplantation of trees shall be initiated immediately after permission is issued and should be completed not later than three (03) months, after which a completion report has to be submitted to the Tree Officer. The spacing of the transplantation of trees shall not be less than 4 meter (point to point) at transplantation site.
9. All the conditions mentioned in Tree Transplantation Policy 2020 shall be followed scrupulously by User Agency.
10. Permission for transplantation of all trees is being granted at their own risk and without prejudice to the claim (s) of any other person/s who may be having any rights(s) over the land or the trees.
11. The User Agency shall ensure that there is no pending litigation or stay order passed by any court of law/ other authority before undertaking transplantation of trees.
12. Before the transplantation of trees from the site is commenced all requisite statutory clearances shall necessarily be obtained by the User Agency.
13. The progress report of transplantation shall be submitted through inspection officer concerned along with complete details of trees.
14. Transplantation of trees and transportation of forest produce arising therefrom to the public crematorium shall be completed within 90 days.
15. Transplantation/ felling of any tree apart from 57 trees by User Agency shall constitute an offence under Delhi Preservation of Trees Act, 1994.
16. It should be ensured by the user agency that all the conditions mentioned in environmental clearance, if any obtained, shall be followed scrupulously.

This issues with prior approval of Hon'ble Minister (Environment & Forests), Govt. of NCT of Delhi.

SANJEEV KHIRWAR, Principal Secy. (Env. & Forests)